बृहस्पतिवार
17 मार्च 2022

पृष्ठ 4
प्रतिदिन केले के सेवन से एनीमिया का खतरा होता है कम

पृष्ठ 5
अक्षय की पृथ्वीराज की रिलीज डेट फिर बदली

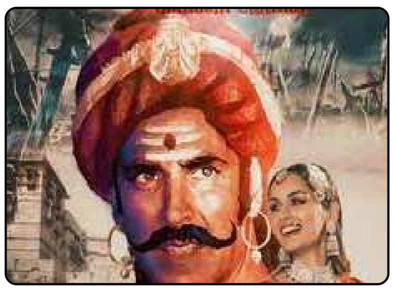

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 51
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।
– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा विधानमंडल दल की बैठक 19 मार्च को
सरकार का शपथ ग्रहण 20 मार्च को

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री का नाम तय हो चुका है लेकिन इसका खुलासा 19 मार्च को जून में होने वाली विधानमंडल दल की बैठक में किया जाएगा। 20 मार्च को नई सरकार का शपथ ग्रहण प्रस्तावित है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 20 मार्च को नई सरकार का शपथ ग्रहण होने जा रहा है। हालांकि अभी नए मुख्यमंत्री के नाम का खुलासा न होने के कारण सस्पेंस बना हुआ है लेकिन 19 मार्च को दून में विधानमंडल दल की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में सभी नवनिर्वाचित विधायकों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी इस बैठक में उपस्थित रहेंगी। विधानमंडल दल की इस बैठक में विधानमंडल दल के नेता यानी सीएम के नाम के प्रस्ताव पर मोहर लगाई जाएगी। जिसके बाद 20 मार्च को अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहता है तो नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

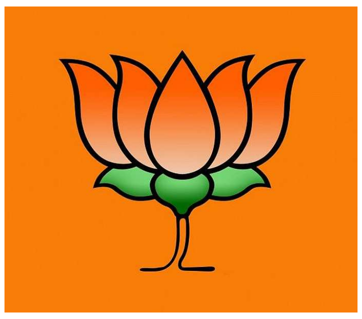

❑सीएम का नाम तय, खुलासा 19 को
❑निर्वाचित विधायकों को दून में रहने के निर्देश

होगा और नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 10 मार्च को आए चुनावी नतीजों में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चुनाव हार जाने के बाद दिल्ली में नए सीएम को लेकर बैठकों का जो दौर जारी था वह अब खत्म हो चुका है सभी नेता दिल्ली से लौट चुके हैं। कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी भी लौट कर अपने क्षेत्र खटीमा पहुंच गए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली दरबार ने न सिर्फ मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला कर लिया है अपितु नई सरकार के मंत्रिमंडल का प्रारूप तय कर लिया गया है। अब सिर्फ नेता विधानमंडल दल की उस पर मोहर लगाई जानी है जिसकी जिम्मेवारी राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी को सौंपी गई है। जिनके 19 मार्च सुबह दून में पहुंचने की जानकारी सामने आई है। इसी दिन विधानमंडल दल की बैठक होगी। जिस में उपस्थित रहने के लिए सभी विधायकों को कहा गया है। सूबे का नया मुखिया कौन होगा इसका खुलासा भी विधानमंडल दल की बैठक में ही होगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य की चतुर्थ विधानसभा का कार्यकाल 23 मार्च तक का है। जिससे पूर्व नई सरकार का गठन किया जाना संवैधानिक अनिवार्यता है। अगर विधानमंडल दल की बैठक में सीएम को लेकर कोई विवाद खड़ा नहीं होता है तो 20 मार्च को राज्य की नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी।

आधुनिक आत्मनिर्भर भारत बनाने को तीव्र विकास जरूरीः मोदी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए तीव्र विकास जरूरी है यह बात आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल बहादुर प्रशासनिक अकादमी मसूरी में आयोजित कामन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही।

प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली से विभिन्न 16 सेवाओं के 488 प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर स्थितियां व परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने अपनी सरकार के गति शक्ति प्रोग्राम का उदाहरण देते हुए कहा कि आने वाला समय तीव्र गति से विकास का समय है, अगर हम आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं तो उसके लिए तीव्र गति से विकास जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि आप अगर आसान टारगेट चुनते हैं तो वह न आपके लिए अच्छा हो सकता है न देश के लिए। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तय करें तभी आपका नाम होगा और समाज के विकास का काम होगा।

●प्रशिक्षु अधिकारियों को दी कठिन लक्ष्य तय करने की सलाह

उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल आपके लिए बहुत महत्व के हैं इस समय आप बड़ा बदलाव देखेंगे। आप में से सभी देश के 4 सौ से अधिक जिलों में कदम रखने वाले हैं आपके फैसले और हौसले यह तय करेंगे कि आप भारत को कितना श्रेष्ठ बना पाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लक्ष्य निर्धारित करें जिनका लाभ देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी जिन लोगों के पास घर नहीं थे उन्हें घर देने का फैसला आसान नहीं था लेकिन अब आसान लगता है। उन्होंने कहा कि फाइलों के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पोलैंड की करोलिना बिलावस्का ने जीता मिस वर्ल्ड 2021 का खिताब

नई दिल्ली । इस साल मिस वर्ल्ड २०२१ का खिताब पोलैंड की करोलिना बिलावस्का ने जीत लिया है। इस मौके पर जमैका की टोनी–एन सिंह ने मिस वर्ल्ड २०२१ फाइनल और कोरोनेशन नाइट में अपने उत्तराधिकारी को ताज पहनाकर उनको सम्मानित किया है। आपको बता दें कि यह प्रोग्राम कोका–कोला म्यूजिक हॉल, सैन जुआन, प्यूर्टो रिको में सुबह ५.३० बजे से सुबह ८.३० बजे तक आयोजित किया गया था। इस पर आधिकारिक मिस वर्ल्ड हैंडल ने ट्वीट किया, हमारी मिस वर्ल्ड २०२१ पोलैंड की करोलिना बिलावस्का है। गौरतलब है कि इस आयोजन में दुनिया भर के ४० प्रतियोगियों ने भाग लिया था जिसमें करोलिना बिलावस्का को विनर चुना गया है। इस प्रतियोगिता में १३ प्रतियोगियों ने टाई के साथ टॉप १२ में जगह बनाई थी जिनमें वियतनाम के, मेक्सिको के करोलिना विडलेस, उत्तरी आयरलैंड के अन्ना लीच, फिलीपींस के ट्रेसी पेरेज, पोलैंड के करोलिना बिलावस्का, सोमालिया के खदीजा उमर, संयुक्त राज्य अमेरिका के श्री सैनी, कोलंबिया के एंड्रिया एगुइलेरा, चेक गणराज्य के करोलिना कोपिनकोवा शामिल हैं। इसके साथ फ्रांस की अप्रैल बेनयूम, भारत की मनासा वाराणसी, इंडोनेशिया की कार्ला यूल्स और कोटे डी आइवर की ओलिविया येस ने भी इसमें हिस्सा लिया था।

भारत में बीते 24 घंटों में कोरोना से 60 लोगों की मौत, 2539 नए केस आए

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोरोना के २,५३९ नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ४,३०,०१,४७७ हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ३०,७९९ रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को सुबह ८ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में ६० और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,१६,१३२ हो गई। देश में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ३०,७९९ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०७ प्रतिशत है।

पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में २,०१२ की कमी

दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर ९८.७३ प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल ७८,१२,२४,३०४ करोड़ नमूनों की कोविड–१९ संबंधी जांच की गई है, जिनमें से ७,१७,३३० नमूनों की जांच पिछले २४ घंटे में की गई। संक्रमण की दैनिक दर ०.३५ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.४२ प्रतिशत दर्ज की गई।

देश में अभी तक कुल ४,२४,५४,५४६ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोरोना रोधी टीकों की १८०.८० करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में संक्रमण से मौत के ६० मामले सामने आए, जिनमें से ५० मामले केरल के थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से ७० प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सबको चाहिए सीएम की कुर्सी

भाजपा ने पांच में से चार राज्यों में चुनाव तो जीत लिया लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए जिस तरह की मारामारी उत्तराखंड में देखने को मिल रही है वैसी शायद पहले आपने किसी भी राज्य में नहीं देखी होगी। मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जितने दावेदारों के नाम सामने आ चुके हैं वह तो सभी को पता है लेकिन जिनके नाम चर्चा में कहीं नहीं है वह भी कम नहीं है। भाजपा ने इस चुनाव में 70 में से भले ही 47 सीटें जीती हो लेकिन चुनाव हारने वाले पुष्कर धामी से लेकर तमाम वर्तमान सांसदों सहित 70 लोगों की चाहत है कि उन्हें बस किसी तरह से मुख्यमंत्री की कुर्सी मिल जाए। अभी बीते दिनों केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक बयान दिया था कि राजनीति चीज ही ऐसी है जहां सब परेशान हैं। जिसे टिकट मिल गया वह इसलिए परेशान है कि विधायक या सांसद कैसे बने और जो मंत्री बन गया वह इसलिए परेशान है कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कैसे बने। यह ठीक है कि सभी की आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षाए होती है और होनी भी चाहिए लेकिन सभी को अपनी क्षमताओं और योग्यता का भी बोध होना चाहिए। अगर नेता बनने के लिए कोई शैक्षिक योग्यता जरूरी नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं है कि जिसे चाहो कुर्सी पर बैठा दो। एक अयोग्य शासक से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं और अगर एक अयोग्य शासक कुर्सी पर बैठकर अगर चमड़े का सिक्का चलाता है तो आप उसे कैसे रोक लेंगे? लेकिन क्या यह स्थिति किसी भी देश या प्रदेश के लिए हितकर कही जा सकती है। भाजपा द्वारा चार में से तीन राज्यों के मुख्यमंत्री तय कर दिए गए हैं अकेला उत्तराखंड राज्य ऐसा बचा है जहां अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला नहीं हो सका है भले ही संवैधानिक व्यवस्था के तहत चुने हुए विधायकों द्वारा अपने दल का नेता चुनने का अधिकार है लेकिन क्या ऐसी स्थिति में उत्तराखंड भाजपा के विधायक अपना नेता चुन सकते हैं जब सभी 47 के 47 विधायक खुद को नेता बनाए जाने की महत्वकांक्षा रखते हो अगर विधायकों से कह दिया जाए कि आप खुद ही नेता के नाम पर फैसला कर लो तो इन विधायकों में सिर फुटव्वल की स्थिति पैदा हो जाएगी। ऐसा नहीं है कि उत्तराखंड में यह पहली बार देखा जा रहा है। राज्य गठन के बाद बनी पहली अनिर्वाचित सरकार के गठन से ऐसी स्थिति बनी हुई है। राज्य में पहले मुख्यमंत्री के चयन के समय हमने भाजपा में ऐसी घमासान की स्थिति देखी थी राज्य में सरकार किसी की भी रही हो मुख्यमंत्रियों के बदले जाने की एक परंपरा सी बन गई है। वर्तमान स्थिति में भी अब भाजपा हाईकमान पर फैसला छोड़ दिया गया है वहीं भाजपा हाईकमान चाहे जिसे भी सीएम की कुर्सी पर बैठा दें लेकिन वह सीएम पूरे 5 साल कुर्सी पर टिका रहेगा इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। अब देखना यह है कि भाजपा हाईकमान किसे सीएम की कुर्सी पर बैठाता है और वह कितने दिन तक कुर्सी पर काबिज रह पाता है।

हादसों की रोकथाम को वाहनों की रफ्तार पर लगेगा ब्रेकः एसएसपी

रुद्रपुर (आरएनएस)। ऊधमसिहनगर जिले का चार्ज संभालते ही नए एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने सबसे पहले सड़कों पर सरपट दौड़ते भारी वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगाने का निर्णय लिया है। एसएसपी ने भारी वाहनों की नो एंट्री का रात का समय बढ़ाते हुए १० बजे बाद ही हाईवे में प्रवेश की समयसीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। हादसों की रोकथाम के लिए अधिनस्थों को जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा जहां हादसे अधिक होंगे वहां संबंधित कोतवाल और थाना प्रभारी का भी जवाब–तलब किया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

बुधवार को नवनियुक्त एसएसपी डॉ. मजूनाथ टीसी ने पुलिस कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि जिले में सड़क हादसों के ग्राफ को रोकने के लिए भारी वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगना जरूरी है। ऐसे में ग्रीष्म कालीन मौसम की शुरुआत होने के बाद भारी वाहनों की शहर में एंट्री का समय रात में दस बजे बाद किए जाने का आदेश दिया। कहा कि जिस थाना–कोतवाली इलाके में सड़क हादसों के दौरान मृत्यु का ग्राफ बढ़ा होगा, उस इलाके के कोतवाल व थाना प्रभारियों का जवाब–तलब भी किया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर कार्रवाई भी की जाएगी। बोले, हाईवों की मरम्मत सहित निर्माण कार्य से पहले संबंधित विभाग यातायात पुलिस को जानकारी देंगे। ताकि निर्माण कार्य के दौरान जाम की स्थिति पैदा न हो।

उन्होंने आपराधिक वारदातों की रोकथाम के लिए वास्तवित पुलिसिंग के माध्यम से रोकथाम की भी रणनीति बनाई। बताया पुलिस अपना सूचना एवं खुफिया तंत्र को ओर बेहतर करेगी। सीमावर्ती इलाकों के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सामंजस्य भी स्थापित करेगी।

विदेशों में डाक्टरी पढ़ाई के किंतु-परंतु

राकेश कोछड़

हाल ही में यूक्रेन युद्ध में एक भारतीय छात्र की मृत्यु ने वहां फंसे हजारों भारतीय छात्रों की मुश्किलों की ओर ध्यान खींचा है। भारत से विदेश जाकर मेडिकल की पढ़ाई करने वालों में एक बड़ी तादाद यूक्रेन जाती है, हालांकि, रूस और चीन सबसे पसंदीदा जगहें हैं। काफी विद्यार्थी किर्गिज़्स्तान, नेपाल, बांग्लादेश और फिलीपींस भी पढ़ने जाते हैं।

भारत में फिलहाल ६०५ मेडिकल कॉलेज हैं, जिनकी एमबीबीएस कोर्स में सालाना भर्ती क्षमता ९०,८२५ है। लगभग आधे मेडिकल कॉलेज सरकारी हैं तो बाकी निजी अथवा किसी ट्रस्ट/सोसायटी द्वारा संचालित हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स की वार्षिक फीस १०० रुपये से कम (एम्स) से लेकर 1.5 लाख रुपये (केरल) है, लेकिन निजी कॉलेजों में पूरे कोर्स के 83 लाख (मुलाना) से 1.15 करोड़ (डीवाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई) तक लगते हैं।

मेडिकल शिक्षा पाने को विद्यार्थी विदेशों का रुख क्यों करते हैं? देशभर में कुल मिलाकर उपलब्ध लगभग ९० हजार सीटों के लिए इस साल नीट (एनईईटी) प्रवेश परीक्षा में लगभग 15 लाख छात्रों के बैठने का आकलन है। विभिन्न किस्म का आरक्षण कोटा और निजी कॉलेजों में ऊंची फीस के चलते जिन उम्मीदवारों ने 35००० जैसा ऊंचा स्कोर पाया हो, उन्हें भी सीट नहीं मिल पाती, जबकि कोई कम नंबर पाकर भी डीम्ड यूनिवर्सिटी से या प्रबंधन कोटे के तहत प्रवेश पा लेता है। जो छात्र निजी कॉलेजों में प्रवेश पाने की आर्थिक हैसियत नहीं रखते, उन्हें विदेश जाना पड़ता है क्योंकि वहां पूरे कोर्स का खर्चा 2०-3० लाख रुपये आता है। इनके अलावा एक श्रेणी वह है, जिसने न तो नीट पास किया या फिर स्थान इतना निचला पाया कि स्वदेशी मेडिकल कॉलेज में भर्ती नहीं हो पाती।

वर्ष 2००2 में टीएमए पई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि जो निजी शैक्षणिक संस्थान सरकार से अनुदान नहीं लेते, वे अपने मुताबिक व्यावसायिक कोर्स फीस निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। इसके बाद हर राज्य में फीस निर्धारण समिति का गठन हुआ, जिसके पास यह अधिकार था कि तात्कालिक बुनियादी ढांचे और विस्तार योजना इत्यादि को ध्यान में रखते हुए फीस निर्धारण करे। इसका उद्देश्य चंदा-भर्ती को हतोत्साहित और मेरिट को बढ़ावा देना था। बदनाम रहे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की जगह बनाए गए राष्ट्रीय मेडिकल आयोग ने पिछले साल नवम्बर माह में निजी मेडिकल कॉलेज में 5० फीसदी सीटों पर फीस निर्धारित करने का सुझाव दिया था। प्रत्येक ऐसे संस्थान को 5० प्रतिशत सीटें मेरिट (नीट रैंक) के आधार पर देनी होंगी, जिसके लिए सालाना फीस 6-1० लाख होगी। बाकी की सीटें प्रबंधन कोटे की रहेंगी, जिनकी वार्षिक फीस 15-18 लाख ले सकेंगे। डीम्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक फीस 25 लाख तक हो सकती है। वर्ष 2016 तक निजी कॉलेजों के लिए कोर्स गैर-मुनाफा आधार पर चलाना अनिवार्य था। लेकिन सरकार ने इस धारा को हटा दिया और हर साल 1० प्रतिशत फीस बढ़ाने को मंजूरी दे दी।

साथ ही विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त डॉक्टरों को भारत में प्रैक्टिस करने के लिए पंजीकरण करवाने और फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन (एफएमजीई) परीक्षा पास करने पर भारतीय मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति भी दे दी। हालांकि, पिछले पांच सालों में एफएमजीई उत्तीर्ण करने वालों का प्रतिशत 16 रहा है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हाल ही में कहा था कि विदेशों से मेडिकल पढ़ाई करने वालों में ९० फीसदी भारत में योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहते हैं। यह कथन जहां एक ओर वहां करवाई पढ़ाई का घटिया स्तर दर्शाता है वहीं छात्रों की योग्यता भी बतलाता है जो नीट परीक्षा में निचला स्थान पाने के बावजूद किसी भी हील-हवाले से मेडिकल डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। इसीलिए हर साल विदेशी मेडिकल शिक्षा प्राप्त लगभग 3०० डिग्रीधारकों में 5००० से भी कम वैध मेडिकल प्रैक्टिस करने की प्रामाणिकता रखते हैं, शेष को या तो दुबारा इम्तिहान पास करना पड़ता है या छोटी जगहों पर अवैध प्रैक्टिस करने लगते हैं, या फिर कोई और व्यवसाय चुन लेते हैं। लिहाजा स्नातकोत्तर डॉक्टर बनने की संभावना बहुत कम होती है।

भारत में मेडिकल कॉलेज सीटें बढ़ाने के सुझाव आते रहते हैं। देश में प्रत्येक 1००० लोगों के पीछे 1 डॉक्टर होने की सिफारिश के हिसाब से लगभग 13 लाख 8० हजार डॉक्टर होने चाहिए। जबकि देश में रजिस्टर्ड एलोपैथ डॉक्टरों की संख्या 1० लाख 2० हजार है। पिछले 8 सालों में, देश में एमबीबीएस सीटें 51,5०० से बढ़कर ९०,००० हो गई हैं। विशेषज्ञों के बीच यह बहस आम है कि क्या इनकी संख्या और बढ़ाई जाए या नहीं। सीटें बढ़ाने के लिए न केवल अतिरिक्त बुनियादी ढांचे में बल्कि माकूल सुविधाओं में बढ़ोतरी करने की जरूरत होती है। अगर इस इजाफे के बाद आर्थिक रूप से वहन योग्य सीटें बहुत कम बढ़ पाईं तो यह समस्या को आगे गहराने जैसा होगा।

अन्य गंभीर मुद्दा जिस पर ज्यादा चर्चा नहीं होती, वह यह कि एमबीबीएस डिग्री पाने में खर्च हुए 5० लाख से 1 करोड़ रुपये के बाद कमाई कितनी होती है। एक एमबीबीएस डॉक्टर को निजी अस्पताल में मासिक वेतन लगभग 3०-4० हजार मिल पाता है (निजी क्लीनिक चलाकर ज्यादा भी कमा सकता है) और सरकारी नौकरी में वेतन लगभग दोगुणा है। अपनी शिक्षा पर लगाए पैसे को पूरा करने के लिए कुछ डॉक्टर अनुचित तरीके अपनाते हैं। कुछ साल पहले, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में भारत में सरकारी नौकरी कर चुके आस्ट्रेलियन डॉ. डेविड बर्जर का किस्सा छापा था, शीर्षक था-'हाउ करप्शन रुइन्स द डॉक्टर-पेशेंट रिलेशनशिप इन इंडिया-2014'। डॉ. बर्जर यह देखकर हैरान थे कि उच्च रक्तचाप जैसे आम लक्षण वाले मरीज को भी हर तीन महीने बाद निजी मेडिकल परीक्षण केंद्रों से इकोकार्डियोलॉजी करवाने को कहा जाता है। उनके सहयोगी सरकारी डॉक्टरों ने बताया कि प्रत्येक अनुशंसा के बदले कुछ सौ रुपये बतौर कमीशन मिलते हैं। उनकी टिप्पणी थी-'इस तरह भारत के डॉक्टर अनुशंसा-कमीशन के 'पुनीत चक्र' के बीच जीते हैं।'

इस सारी स्थिति से निकलने को राह ढूंढ़ने की जरूरत है। बेशक हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल आयोग के जरिए ढांचे में बदलाव किया गया है, फिर भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। मेडिकल शिक्षा को सुव्यवस्थित किया जाए, इसकी शुरुआत निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस और एमबीबीएस/पीजी सीटों में अनुपात अंतर को तर्कपूर्ण करके हो सकती है। एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी के लिए ज़हन में रोजगार क्षमता का आकलन किया जाना आवश्यक है। अभिभावक और डॉक्टर बनने के चाहवान छात्रों को विदेशों में मेडिकल शिक्षा प्राप्ति के बाद की हकीकत से आगाह किया जाना चाहिए।

इन्द्र त्रिधातु शरणं त्रिवरूथं स्वस्तिमत्।
छर्दिर्यच्छ मघवद्भ्यश्च मह्यं च यावया दिद्युमेभ्यः।।

(ऋग्वेद ६–४६–९)

हे परमेश्वर ! हमें ऐसा घर दीजिए जो तीन धातुओं से बना हो। जो सर्दी, गर्मी और वर्षा में रहने योग्य हो। जो कल्याणकारी, हितकारी और आनंददायक हो। जो शरण आने वालों को आश्रय प्रदान करने वाला हो। जो पूर्ण रूप से सुरक्षित हो।

O God ! Provide us a house which is made of three metals. One that will be good for living in winter, summer and rains. One that will be caring, beneficial and pleasing. One which will provide shelter to those who seek refuge. Which will be completely safe. (Rig Veda 6-46-9)

चुफाल के डीडीहाट पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। ६वीं बार विधायक बने विशन सिंह चुफाल का गृह क्षेत्र डीडीहाट पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने उनके स्वागत में नगर में रैली निकाली। चुफाल ने लोगों का अभिवादन कर उनका धन्यवाद अदा किया। विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार गृह क्षेत्र डीडीहाट पहुंचे नवनिर्वाचित विधायक विशन सिंह चुफाल का कार्यकर्ताओं व क्षेत्र के लोगों ने भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलमाला पहनाई। इस दौरान नगर में रैली निकाली गई। चुफाल ने लोगों का अभिवादन कर उनका आभार प्रकट किया। कहा यह जीत जनता की है। जिस तरह क्षेत्र की जनता ने उन पर विश्वास जताते हुए छठी बार विधायक चुना है, वे उनकी कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। कहा क्षेत्र का विकास ही उनकी प्राथमिकता है। इससे पहले उनका कनालीछीना, नारायणनगर, ओगला में भी लोगों ने जोरदार स्वागत किया।

अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री सुशील राठी ने पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड, अशोक कुमार से मुलाकात कर हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत के द्वारा संबोधित ज्ञापन देकर अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

कहा कि अज्ञात असामाजिक तत्वों के द्वारा अनुपमा रावत विधायक हरिद्वार ग्रामीण की छवि को धूमिल करने के लिए झूठा प्रचार प्रसार किया जा रहा है और अफवाह फैलाई जा रही है कि अनुपमा रावत ने अपने बयान में कहा है कि मैं केवल मुस्लिम वोटों से जीतकर विधायक बनी हूं जबकि यह बिल्कुल झूठ है। अनुपमा रावत के द्वारा ऐसा कोई बयान कहीं पर नहीं दिया गया है।

उत्तराखंड किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री सुशील राठी के द्वारा पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन प्रेषित कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है। कार्रवाई नहीं होने पर उत्तराखंड किसान कांग्रेस कमेटी के द्वारा पूरे उत्तराखंड में आंदोलन किया जाएगा।

इस अवसर पर सुशील राठी के साथ मुख्य रूप से अभिषेक भंडारी प्रदेश प्रवक्ता, दीपक प्रदेश संगठन मंत्री, कैरून आदि मौजूद रहे।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी पुलिस ने चैकिंग के दौरान बद्रीश कालोनी के पास एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने एक्टिवा से दो पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित पुत्र रमेश चन्द निवासी अपर तुनवाला रायपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने मोथरोवाला चौक के पास एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह एक्टिवा को वापस मोडकर भागने का प्रयास करने लगा तभी पुलिस ने उसको पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 462 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुमित नेगी पुत्र रघुवीर सिंह निवासी रावत कालोनी बालावाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरी के प्रयास में दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दुकान में चोरी का प्रयास कर रहे दो लोगों ने क्षेत्रवासियों ने पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजावाला निवासी पुष्पेन्द पाल ने रायपुर पुलिस को सूचना दी कि उसकी निखलेश्वर विहार में दुकान है। रात्रि करीब 11 बजे उसको सूचना मिली कि उसकी दुकान का ताला तोडकर कुछ लोग उसकी दुकान में चोरी करने के लिए घुसे हैं।

सूचना मिलते ही वह दुकान में पहुंचे तो दुकान के अन्दर से दो लोगों को निकलकर भागते देख उसने आसपास वालों की मदद से दोनों को पकड लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मोनू पुत्र जय सिंह व राहुल पुत्र देवेन्द्र पाल दोनों निवासी खादर रायपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रेफिक लाइटें कर रही कंफ्यूज, लग रहे हैं जाम ?

संवाददाता

देहरादून। दून के कई चौराहों पर लगी ट्रेफिक लाइटें वाहन चालकों को कंफ्यूज करती है तो वहीं कई चौराहों पर खडे यातायात कर्मियों में आपस में समन्वय ना होने के कारण जाम का सबक बन जाता है और यह कोण में खाज का काम करता है।

दून की यातायात व्यवस्था अधिकारियों के लिए एक बडी चुनौती साबित होती है। शासन से लेकर प्रशासन तक इस समस्या के निदान के लिए एडी चोटी का जोर लगा रहा है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। अधिकारियों ने यातायात सुधार के लिए पुलिस कर्मियों के साथ-साथ होमगार्ड की भी फौज सडकों पर उतार दी है।

यहां यह भी देखने को मिलता है कि पुलिसकर्मियों से होमगार्ड बेहतर डयूटी करता दिखायी देता है। दून की यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पहले प्रयोग के लिए कुछ चौराहों पर ट्रेफिक लाइटें लगवायी गयी जो कि काफी हद तक सफल रही तो पुलिस अधिकारियों ने मंथन कर अन्य चौराहों पर भी लाइटो की व्यवस्था कर दी। पूर्व में तो कई चौराहों की लाइटें खराब होनी शुरू हो गयी थी। लेकिन जिसके बाद अधिकारियों ने सम्बन्धित कम्पनी के अधिकारियों को टाईट किया तो उन्होंने बेहतर क्वालटी की लाइटें चौराहों पर लगा दी। अब कुछ चौराहों को छोडकर कई चौराहों की ट्रेफिक लाइटें वाहन चालाकों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के आदेश के बाद घंटाघर चौक, बिन्दाल तिराहा, यमुना कालोनी चौराहा, राजेन्द्र नगर चौराहा, बल्लूपुर चौक सहित कई अन्य चौंराहों पर भी ट्रेफिक लाइटों की व्यवस्था कर दी गयी हैं। लेकिन यह लाइटें वाहन चालकों को कंफ्यूज कर रही हैं। घंटाघर चौक पर लगी ट्रेफिक लाइटों को देखकर वाहन चालक सोच में पड जाता है कि उसको रूकना कहां है और जाना कहां है। वह सोच में ही पड जाता है कि उसको रूकना है कि जाना है। यही स्थिति बिन्दाल तिराहे पर भी उत्पन्न हो जाती है। वह तो दोहरी मार पडती है बिन्दाल तिराहे से तिलक रोड व कनाट प्लेस की ओर से आने वाले वाहनों को घंटाघर की तरफ जाने के लिए मुडना पडता है और वह कट ऐसा है कि जहां दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। क्योंकि एक तो ट्रेफिक लाइट तो दूसरा घंटाघर के लिए जाने वाला कट? वहीं अगर वहां पर पुलिस कर्मियों को खडा कर दिया जाये तो कैपरी ट्रेड सेन्टर से ही जाम लगना शुरू हो जाता है। जो वाहन चालकों के लिए काफी सिरदर्द बन जाता है।

पुलिस अधिकारियों के इस प्रकार के प्रयोगों से दून का आमजन मानस काफी परेशान हो रहा है कि आखिर यह अधिकारी चाहते क्या हैं? वहीं अधिकारियों को भी यह समझ नहीं आ रहा है कि वह दून की यातायात व्यवस्था को पटरी पर कैसे ला ये? अब यह समस्या जहां आमजन के लिए सिरदर्द बनती जा रही है तो अधिकारियों के सामने यह एक चुनौती बन गयी है?

हिमालय पुत्र को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने हिमालय पुत्र स्वर्गीय हेमवती नदंन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धांजलि दी।

आज यहां स्वर्गीय हिमालय पुत्र हेमंवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि के अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने उनकी घंटाघर स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि स्वर्गीय बहुगुणा को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके घर घर स्वराज के सिद्धांत को अपनाएं। आरिफ वारसी ने कहा कि समिति का उद्देष्य यह भी है कि वह देश के महान नेता और क्रांतिकारियों को याद करें होली के पावन पर्व के साथ साथ समिति ने स्वर्गीय बहुगुणा जी को याद किया। इस मौके पर उन्हें याद करने वालों में आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, राम सिंह प्रधान, अरुण खरबंदा, विपुल नौटियाल, दानिश नूर, इल्यास कुरेशी, राज कुमार बत्रा, मनोज सिंघल, भारत सिंघल, विवेक श्रीवास्तव, प्रवीण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एक किलो चरस सहित तस्कर दबोचा

टिहरी (हमारे संवाददाता)। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर रात खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से एक किलो चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना मुनि की रेती व एसओजी टिहरी गढ़वाल को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को रेलवे रोड़ सुमन पार्क ढालवाला, मुनिकीरेती के समीप स्कूटी सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। संयुक्त टीम द्वारा जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो चरस बरामद हुई। थाने लाकर गयी गयी पूछताछ में उसने अपना नाम नरेश सिंह पुत्र कप्तान सिंह निवासी राजीव नगर केशवपुरी बस्ती डोईवाला देहरादून बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद चरस की कीमत लगभग एक लाख रूपये बतायी जा रही है।

कांग्रेस सेवा दल ने किया होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने होली मिलन कार्यक्रम में सद्भाव सौहार्द व आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

आज प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने शिविर कार्यालय 20 टर्नर रोड होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव महानगर प्रभारी पीयूष गौड़ की अध्यक्षता में होली मिलन का त्यौहार मनाया गया। गौड़ ने कहा कि होली सद्भाव सौहार्द प्रेम व भाईचारे का त्यौहार है हमें आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए। होली पर प्राकृतिक रंगों से एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की

बधाई दी। इस अवसर पर कांग्रेस सेवा दल के जिला उपाध्यक्ष रविंद्र जैन, महानगर सचिव अकरम, सुदामा सिंह, टर्नर रोड वार्ड के अध्यक्ष वीरेंद्र कनौजिया, भारूवाला के अध्यक्ष लोकेश्वर देव, माजरा वार्ड के अध्यक्ष जुम्मन भाई, रामजीलाल, छोटेलाल गौतम, शांति देवी आदि प्रमुख उपस्थित थे।

दो बेटों वाली मां और भरे-पूरे घर का अधूरापन

क्षमा शर्मा

मेरी एक सहेली, जो कॉरपोरेट में अच्छे पद पर थी, अक्सर मिलती। हम साथ खाते-पीते। उसे चुटकुले सुनाने का बहुत शौक था। पहले तो वह अक्सर स्त्री-पुरुषों से जुड़े चुटकुले सुनाकर खूब ठहाके लगाती। फिर धीरे-धीरे उसका हंसी-मजाक इस पर केंद्रित होने लगा कि दुनिया में बेटियों के माता-पिता को क्या-क्या झेलना पड़ता है। होना तो चाहिए था यह चिंता का विषय, लेकिन वह उन पर हंसती। कई बार उसकी बातें बुरी भी लगतीं, टोकती भी, लेकिन वह नहीं समझती। एक दिन बातचीत में एक तीसरी सहेली भी शामिल थी। उसने उसे टोका और कहा कि अगर कल तू बेटी की मां बन गई, तो तुझ पर भी लोग हंसेंगे। यह मत भूल कि तू भी किसी की लड़की है। उसकी बात सुनकर वह फिर जोर से हंसी।

बोली- तू मेरी चिंता मत कर। 'क्यों न करूं? हम मित्र हैं, तो चिंता भी करनी चाहिए'। दूसरी बोली। 'इसलिए कि यह हम दो-हमारे दो का जमाना है। मेरे तो पहले ही दो बच्चे हो चुके हैं- दो बेटे।' बेटे कहते हुए उसकी आंखों की चमक देखने लायक थी। आगे बोली- मुझे न तो बेटियों के दहेज की चिंता करनी है, न उनके लिए लड़के ढूंढने जाना है और ना लड़के वालों के दस अहसान झेलने हैं।

उसकी बात सुनकर पहली बार मुझे उसके हंसी-मजाक के विषयों को चुनने का अहसास हुआ। अभी तक इस बात पर पता नहीं ध्यान क्यों नहीं गया था। उस शाम लौटते हुए न जाने क्या-क्या सोचती रही। जिनके दो बेटे हो जाते हैं, उनके बारे में समाज में बातें चलती हैं कि उसे क्या परवाह, वह तो दो बेटों की मां है। उसके घर में तो आएगा ही आएगा, जाएगा कुछ नहीं। इसके मुकाबले जिनकी दो बेटियां हो जाती हैं, उस मां के प्रति कितनी सहानुभूति जताई जाती है, जैसे उससे कोई अपराध हो गया। जिनकी पहली संतान बेटियां होती हैं, उन्हें दूसरे बच्चे के तौर पर बेटा ही चाहिए। एक बेटा और एक बेटी हो जाना फैमिली का संपूर्ण होना कहलाता है। दो बेटों वाले परिवारों में फैमिली की संपूर्णता कुछ अधिक हो जाती। मगर दो बेटियों के होने से तो परिवार जैसे हमेशा अधूरा ही रहता है।

उस दिन के बाद भी उससे मुलाकातें होती रहीं। फिर पता चला कि उसके पति ने अपनी नौकरी बदल ली है। वे दूसरे शहर जा रहे हैं। वहां उसे भी नौकरी मिल जाएगी। इस तरह वह चली गई। शुरू में पत्रों के जरिए संपर्क रहा, कभी-कभार फोन भी आ जाता। मोबाइल और मेल के आसान साधन उन दिनों मौजूद नहीं थे, इसलिए धीरे-धीरे संपर्क समाप्त हो गया और वह स्मृति से भी गायब हो गई।

अभी पिछले दिनों की बात है, उसने फेसबुक पर मुझे ढूंढ निकाला। फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी, फिर फोन नंबर लिया। एक दोपहर जब धूप में बैठी थी, उसका फोन आया। बहुत देर तक बात करती रही। बातों-बातों में ही मैंने उससे पूछा कि उसके बेटों का क्या हाल है। वे क्या कर रहे हैं। कुछ देर उधर मौन छाया रहा। फिर बोली- किसके बेटे, कैसे बेटे?

मैंने पूछा- ऐसा क्यों कह रही है? अरे भई और क्या कहूं। दोनों की शादी हो गई है। एक जर्मनी में है, दूसरा इंग्लैंड। अपनी-अपनी फैमिली में बिजी हैं। कभी-कभार फोन आ जाता है। 'और तुम लोग?' मैंने पूछा। हम्म्ज वह रुकी फिर बोली, 'हम तो बूढ़े घोड़े हैं। किसी के काम के नहीं। बच्चों के भी नहीं'। उसकी लड़खड़ाती आवाज को फोन पर महसूस किया जा सकता था।

अर्जुन बिजलानी, कनिका मान-स्टारर रुहानियत का ट्रेलर हुआ रिलीज

अर्जुन बिजलानी और कनिका मान स्टारर आगामी वेब सीरीज रुहानियत का ट्रेलर जारी किया गया। वेब सीरीज की कहानी दो किरदारों की प्रेम यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है और पहली डेट के अंतरंगता के क्षणों, पहली लड़ाई, ईर्ष्या की चिंगारी और यह महसूस करने की यात्रा से संबंधित है कि क्या यही प्यार है।

शो के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा कि इस सीरीज के लिए शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव रहा है। यह शो इस बात का जवाब खोजने के बारे में है कि क्या प्यार हमेशा के लिए मौजूद रहता है। यह सामान्य प्रेम कहानी नहीं है। इसमें ऐसे ट्विस्ट और टर्न हैं जिनकी किसी को उम्मीद नहीं होगी।

कनिका ने आगे कहा कि जब मैंने रुहानियत की पटकथा पढ़ी, तो इसने मुझे शुरू से ही बांधे रखा। प्रिशा एक अप्रत्याशित लड़की है, जो सच्चे प्यार और आत्मीयता की अवधारणा में विश्वास करती है। मैं उस चरित्र से खुद को संबंधित कर सकती थी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक सीरीज का आनंद लेंगे और हमारे काम की सराहना करेंगे।

ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला द्वारा निर्देशित, सीरीज में अमन वर्मा और स्मिता बंसल भी हैं, जो 23 मार्च को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

प्रतिदिन केले के सेवन से एनीमिया का खतरा होता है कम

सामान्यत: ऐसा माना जाता है कि जिस खाने की चीज का स्वाद अच्छा न हो, वह अधिकतर हेल्दी ही होती है। लेकिन बात अगर केले की करें तो ऐसा नहीं है। ज्यादातर लोग केला खाना पसंद करते हैं और अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्हें केला खाना अत्यधिक पसंद है, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। जी हां, केला स्वाद में जितना अच्छा लगता है उससे कहीं ज्यादा अच्छे उसके फायदे होते हैं। आइये हम आपको बताते है केले खाने के कुछ महत्वपूर्ण फायदे:

वजन कम करने में मददगार

केले में फाइबर बेहतरीन मात्रा में पाया जाता है और एक बार अगर आपने केला खा लिया तो आपको जल्दी भूख नहीं लगेगी। केले में एक खास तरीके का स्टार्च होता है जो आपकी भूख को काबू में रखता है।

अनीमिया का खतरा होगा कम

अनीमिया होने पर हमें कमजोरी, सांस लेने में दिक्कत जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनीमिया में हमारे शरीर में रेड ब्लड सेल्स और हीमॉग्लोबिन का स्तर काफी कम हो जाता है। केले में आयरन की मात्रा काफी अच्छी होती है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल बनाने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है।

तनाव कम करने में सहायक

आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बनता जा रहा है। अगर आप भी तनाव से जूझ रहे हैं तो केला आपकी सहायता के लिए हाजिर है। रिसर्च में यह बात साबित हो चुकी है कि केला आपके मूड को बेहतर बनाने में काफी हद तक कारगर होता है।

धमनियों का दबाव होगा कम

हमारे देश में बहुत बड़ी संख्या में लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं। इससे उनमें हृदयाघात का खतरा काफी बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या को कुछ हद तक काबू में रखना चाहते हैं तो आप केले का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दे की केले में करीब 420 एमजी के बराबर पोटैशियम होता है जो धमनियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

हिन्दी बेल्ट में राधेश्याम पर भारी पड़ी द कश्मीर फाइल्स

बाहुबली के बाद पूरे भारत के सितारे बने अभिनेता प्रभास की फिल्म राधेश्याम को हिन्दी बेल्ट में जबरदस्त असफलता का सामना करना पड़ा है। पहले दिन के जारी हुए आंकड़ों को देखने के बाद यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि इस फिल्म ने आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी के मुकाबले बॉक्स ऑफिस पर 50 प्रतिशत कारोबार किया है। इन दिनों पूरे देश में सिनेमाघरों को 100 प्रतिशत ऑक्यूपेसी के साथ खोल दिया गया है, जबकि गंगूबाई काठियावाड़ी के प्रदर्शन के वक्त 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सिनेमाघर खुले हुए थे। गंगूबाई ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी, जबकि प्रभास की राधेश्याम सिर्फ 4.50 करोड़ के आंकड़े को छू पाई है।

भारतीय स्टार प्रभास और अदाकारा पूजा हेगड़े स्टारर निर्देशक राधा कृष्ण कुमार की इस फिल्म को काफी विशाल स्तर पर बनाया गया था। 70 के दशक की प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म की ज्यादातर शूटिंग यूरोप की खूबसूरत वादियों में हुई थी। फिल्म स्टार प्रभास और पूजा हेगड़ी की रोमांटिक केमिस्ट्री ही इस फिल्म की मेन यूएसपी थी। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हिंदी दर्शकों के बीच ये केमिस्ट्री फुस्स होती दिखाई दी है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन हिंदी सिनेमाघरों से उम्मीद से बेहद कम कुल 4.50 करोड़ रुपये की ही कमाई की है। हिंदी बेल्ट से हासिल हुए प्रभास की फिल्म के ये कारोबारिक आंकड़े काफी निराशाजनक माने जा रहे हैं। अब देखना होगा कि फिल्म शनिवार-रविवार को कैसा प्रदर्शन करती है। हैरानी की बात ये है कि सुपरस्टार प्रभास की ये मेगा बजट फिल्म, इस फिल्म के साथ ही सिनेमाघरों में पहुंची निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की कड़वी सच्चाई पर आधारित फिल्म द कश्मीर फाइल्स के आगे घुटने टेक गई। प्रभास की फिल्म ने पहले दिन जहाँ सिर्फ 4.50 करोड़ रुपये कमाए तो वहीं, द कश्मीर फाइल्स बिना किसी बड़ी स्टारकास्ट, बिना बड़े बजट और बिना किसी खास प्रमोशन के ही सिनेमाघरों से पहले दिन 3.55 करोड़ रुपये बटोर ले गई है।

शब्द सामर्थ्य -70

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

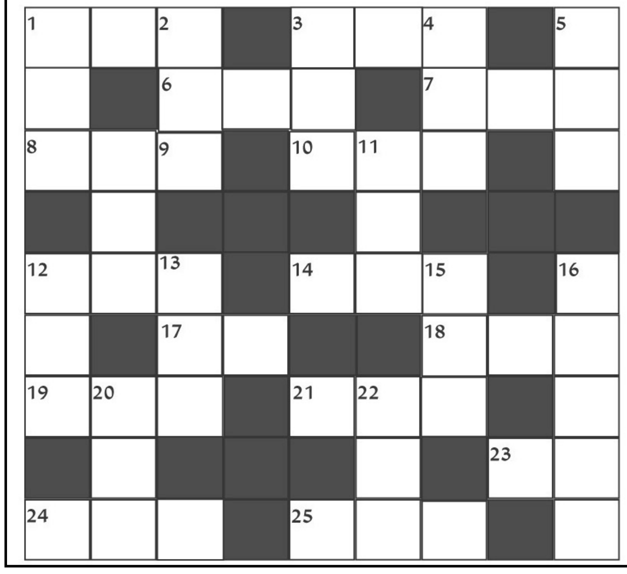

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

फाइटर के लिए ऋतिक और दीपिका को ट्रेनिंग देंगे हॉलीवुड स्टंटमैन

अभिनेता ऋतिक रोशन काफी समय से अपनी एक्शन फिल्म फाइटर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भरपूर एक्शन अवतार में दिखने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक रोचक जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म के लिए ऋतिक और दीपिका को हॉलीवुड के मझे हुए स्टंटमैन ट्रेनिंग देंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फाइटर में एक्शन सीक्वेंस को फिल्माने के लिए ऋतिक और दीपिका को हॉलीवुड स्टंटमैन ट्रेनिंग देंगे। खबरों की मानें तो फिल्म में एक्शन दृश्यों की भरमार होगी। एक सूत्र ने कहा, ऋतिक और दीपिका को उनकी फिल्म फाइटर के लिए अंतरराष्ट्रीय स्टंटमैन द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। फिल्म में एक्शन दृश्यों को हॉलीवुड स्टंटमैन द्वारा कोरियोग्राफ किया जाएगा। दीपिका और ऋतिक दोनों इसके लिए सख्त ट्रेनिंग से गुजरेंगे।

रिपोर्ट की मानें तो ऋतिक और दीपिका दोनों ने फिल्म के लिए अपनी शारीरिक संरचना में बदलाव किए हैं। फिल्म के कैरेक्टर के हिसाब से उन्होंने अपनी बॉडी बनाई है। कई रिपोर्ट्स में बताया गया कि फिल्म के लिए ऋतिक ने काफी वर्कआउट किया है। उन्होंने अपना वजन कम किया है और इसके लिए उन्हें अपने खान-पान में भी एहतियात बरतना पड़ा। दीपिका भी इस फिल्म के बहुत मेहनत कर रही हैं।

सिद्धार्थ की इस फिल्म के लिए ऋतिक और दीपिका पहली बार साथ आ रहे हैं। फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग इस साल जून में शुरू हो सकती है। कोरोना महामारी और ऋतिक-दीपिका के व्यस्त कार्यक्रम के कारण इस प्रोजेक्ट में पहले ही देरी हो चुकी है। फिल्म में ऋतिक एयर फोर्स ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे।

ऋतिक फिल्म वॉर 2 में अपने अभिनय का कौशल दिखाएंगे। वह फिल्म विक्रम वेधा को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसमें सैफ अली खान भी दिखाई देंगे। ऋतिक अपनी फिल्म कृष 4 में भी नजर आने वाले हैं। दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह शाहरुख की फिल्म पठान में नजर आएंगी। वह द इंटर्न की हिन्दी रीमेक में अमिताभ बच्चन के साथ दिखेंगी। फिल्म सर्कस में भी वह मेहमान की भूमिका निभाएंगी।

यह पहला मौका नहीं है, जब सिद्धार्थ और ऋतिक पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फाइटर से पहले दोनों फिल्म बैंग बैंग और वॉर में काम कर चुके हैं। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थीं।

द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी रीमेक में लीड रोल करेंगे अंगद बेदी

जब से हिट मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी रीमेक का ऐलान हुआ है, यह लगातार चर्चा में है। पिछले दिनों फिल्म की लीड हीरोइन के लिए सान्या मल्होत्रा का नाम फाइनल हुआ और अब खबर है कि फिल्म को हीरो भी मिल गया है। हिंदी रीमेक में सान्या के अपोजिट अभिनेता अंगद बेदी नजर आएंगे। अब इस फिल्म से उनका नाम जुड़ने से बेशक उनके फैंस खुश हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, अंगद फिल्म के लीड हीरो हैं। निर्माताओं को लगता है कि वह इस किरदार के लिए फिट हैं, वहीं निर्देशक आरती कदव भी अंगद की कास्टिंग से खुश हैं। वह फिल्म में सूरज वेंजारामूदु वाला किरदार निभाते दिखेंगे। सूत्र ने बताया कि फिल्म की शूटिंग मई या जून में शुरू होगी। सान्या मल्होत्रा फिल्म की हीरोइन हैं। अंगद और सान्या की नई जोड़ी फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी रीमेक का निर्देशन आरती कदव करेंगी। इस फिल्म में भारतीय परिवार के अंदर मौजूद पितृसत्तात्मकता को दिखाया गया है और उससे प्रभावित होती रोजमर्रा की जिंदगी पर रोशनी डाली गई है। इसकी कहानी एक ऐसी महिला के आसपास घूमती दिखाई देगी, जो अपने पति की जिम्मेदारियों के साथ-साथ ससुरालवालों की उम्मीदों पर भी खरा उतरने की कोशिश करती है। इस महिला का किरदार फिल्म में सान्या निभाएंगी। फिल्म के निर्माता हरमन बावेजा हैं।

निर्देशक जियो बेबी ने फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन का निर्देशन किया था और उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी लिखी थी। यह फिल्म पिछले साल 15 जनवरी को रिलीज हुई थी, जिसे चारों ओर खूब सराहना मिली। 51वें केरल राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया था। द ग्रेट इंडियन किचन में निमिषा और सूरज वेंजारामूदु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। कई निर्माता इस फिल्म के हिंदी रीमेक के राइट्स लेने की रेस में शामिल थे।

अंगद को आखिरी बार निर्देशक शरण शर्मा की फिल्म गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल में देखा गया था। उन्हें इनसाइड एज के पहले और दूसरे सीजन में भी देखा गया। अब जल्द ही अंगद निर्देशक आर बाल्की की फिल्म घूमर में दिखेंगे। उन्होंने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री सैयामी खेर के साथ बनी है। यह वही फिल्म है, जिसमें अभिषेक बच्चन व अमिताभ भी एक अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

अंगद देश के मशहूर क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी के बेटे हैं। 2004 में फिल्म काया तरण से एक्टिंग जगत में कदम रखने वाले अंगद को फिल्म फालतू से पहचान मिली थी। एक्टिंग से पहले वह मॉडलिंग और क्रिकेट जगत में शानदार पारी खेल चुके हैं।

अक्षय की पृथ्वीराज की रिलीज डेट फिर बदली

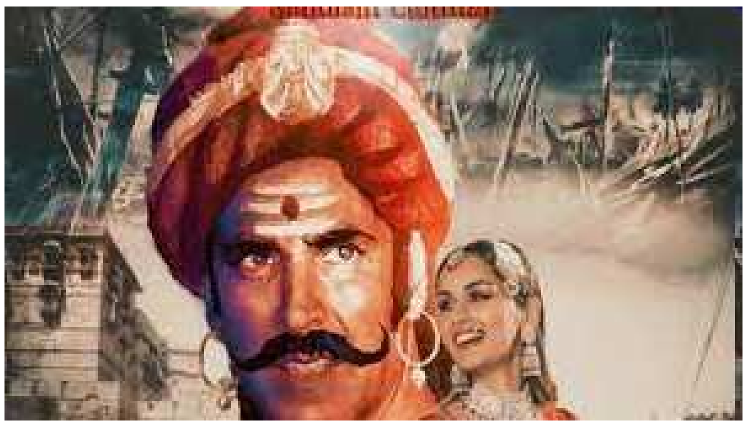

अक्षय कुमार जल्द ही कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। फिल्म पृथ्वीराज भी उन्हीं में से एक है। इस पीरियड ड्रामा में अक्षय एक बिल्कुल जुदा अवतार में नजर आने वाले हैं। यही वजह है कि प्रशंसक उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण फिल्म की रिलीज में देरी हुई है, लेकिन अब यह तय तारीख से पहले रिलीज होगी।

अक्षय ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर सोशल मीडिया पर लिखा, खुश हूं कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की गाथा अब जल्दी 3 जून को बड़े पर्दे पर पहुंच रही है। इससे पहले अक्षय ने फिल्म में सभी मुख्य किरदारों के लुक शेयर कर बताया था कि फिल्म 10 जून को रिलीज हो रही है। पृथ्वीराज सबसे पहले इस साल 21 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के चलते इसकी रिलीज डेट स्थगित हो गई।

इस साल पृथ्वीराज के अलावा कई पीरियड ड्रामा फिल्में रिलीज होंगी। एक तरफ द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव चर्चा में है, वहीं रामायण, आरआरआर, सीता: द इनकारनेशन, ब्रह्मास्त्र, शमशेरा, द गुड महाराजा और द इम्मोर्टल अश्वत्थामा जैसी पीरियड ड्रामा फिल्में भी दर्शकों के बीच आएंगी।

पृथ्वीराज हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज होगी। इसका निर्देशन डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है। फिल्म में अक्षय, पृथ्वीराज बने हैं। उनके अलावा सोनू सूद और संजय दत्त भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म से पूर्व विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर अपनी बॉलीवुड पारी शुरू कर रही हैं। वह राजकुमारी संयोगिता की भूमिका में हैं। सोनू सूद कवि चंदवरदाई के किरदार में होंगे तो संजय दत्त फिल्म में काका कन्ह की भूमिका में हैं।

पृथ्वीराज के नाम को लेकर भी विवाद चल रहा था। एक संगठन ने दिल्ली हाई कोर्ट में इसका नाम बदलने की मांग को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसमें दलील दी गई थी कि पृथ्वीराज एक महान सम्राट थे और टाइटल में सिर्फ पृथ्वीराज रखना भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। याचिका के मुताबिक, फिल्म का टाइटल संशोधित करके महान सम्राट पृथ्वीराज चौहान रखा जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने इस याचिका पर विचार करने से ही इनकार कर दिया था। अक्षय पृथ्वीराज से पहले बच्चन पांडे लेकर दर्शकों के बीच पहुंचेंगे। उनकी यह फिल्म 18 मार्च को रिलीज हो रही है। अक्षय को फिल्म राम सेतु में देखा जाएगा। वह फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे। अक्षय फिल्म सिंड्रेला का हिस्सा हैं। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ बनी है। ओह माय गॉड 2, रक्षाबंधन, सेल्फी और राउडी राठौर 2 जैसी फिल्में भी अक्षय के खाते से जुड़ी हैं।

डीप नैक वाली शॉर्ट ड्रेस में यामी गौतम की वायरल हुई फोटो!

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों की लिस्ट में अपना नाम बनाने वाली यामी गौतम की आज किसी पहचान में कोई दिलचस्पी नहीं है. इन दिनों वह अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'ए थर्सडे' की वजह से चर्चा में हैं. एक्ट्रेस ने हमेशा अपनी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है।

इसके अलावा यामी ने अपने चेहरे की मासूमियत से भी लोगों को अपना दीवाना बना लिया है। यामी के फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं. वह आए दिन अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. अब एक बार फिर यामी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है.

यामी को इन तस्वीरों में ब्लैक शॉर्ट ड्रेस पहने देखा जा सकता है। उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए लाइट मेकअप किया है। यहां उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है. इसके साथ ही यामी ने ब्लैक हाई हील्स पहनी हुई है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद आकर्षक लग रही हैं. यामी के फैंस इस अवतार से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं.

यामी ने इस पोस्ट में 6 तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह अपने पैरों को फ्लॉन्ट कर रही हैं तो कभी परफेक्ट फिगर। अब यामी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. कुछ ही घंटों में इस लुक को लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। लोग उनकी जमकर तारीफ भी कर रहे हैं.

यामी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'ए थर्सडे' हाल ही में रिलीज हुई है. इस फिल्म में एक्ट्रेस का सबसे खतरनाक अवतार नजर आ रहा है. यामी के पास इस समय कई फिल्में हैं। वह जल्द ही अभिषेक बच्चन के साथ 'दसवीं' में नजर आएंगी। इसके बाद यह 'लॉस्ट' और 'ओएमजी 2' में भी नजर आएंगी।

ठंडे बस्ते में गया फिल्म अय्यपनम कोशियुम का हिंदी रीमेक

पिछले काफी समय से जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर फिल्म अय्यपनम कोशियुम के हिंदी रीमेक को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों के साथ आने की खबर से फैंस बेहद उत्साहित हो गए थे, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक प्रशंसक निराश हो जाएंगे। दरअसल, फिल्म का हिंदी रीमेक डिब्बाबंद हो गया है। खुद फिल्म के निर्देशक ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है।

जॉन अब्राहम आजकल सिद्धार्थ आनंद की फिल्म पठान की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में इस फिल्म का फिर काम शुरू हुआ है। जॉन स्पेन में इस फिल्म के शूट में व्यस्त हैं। पठान के बाद उनके अपने कुछ और कमिटमेंट पूरे करने हैं। जॉन की डेट डायरी फुल है। वह इस साल बेहद व्यस्त रहने वाले हैं। दूसरी तरफ अर्जुन भी अपने पुराने कमिटमेंट निपटा रहे हैं। वह एक के बाद एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त रहेंगे।

जॉन और अर्जुन का व्यस्त शेड्यूल देख अब फिल्म के निर्देशक जगन शक्ति ने भी फिल्म का काम रोक दिया है और अपने दूसरे प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि अय्यपनम कोशियुम के हिंदी रीमेक की शुरुआत कब होगी?

उन्होंने भी इस फिल्म के डिब्बाबंद होने की पुष्टि की। बता दें कि जगन ने पिछली बार फिल्म मिशन मंगल का निर्देशन किया था। जल्द ही कई साउथ फिल्मों के हिंदी रीमेक दर्शकों के बीच आएंगे। तमिल फिल्म विक्रम वेधा और मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस व तमिल फिल्म थडम का हिंदी रीमेक बन रहा है। तमिल फिल्म कैथी और तेलुगु फिल्म जर्सी का हिंदी रीमेक भी चर्चा में है। अय्यपनम कोशियुम पिछले साल दर्शकों के बीच आई थी और इसे लोगों ने खासा पसंद किया था। फिल्म में बीजू मेनन और पृथ्वीराज लीड रोल में थे। फिल्म का निर्देशन जगन शक्ति ने किया है, जो हिंदी रीमेक के निर्देशक भी हैं। इस फिल्म की कहानी एक पूर्व हवलदार और एक सब-इंस्पेक्टर के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें पृथ्वीराज एक पूर्व हवलदार की भूमिका में थे और बीजू मेनन ने सब-इंस्पेक्टर का किरदार निभाया था।

जॉन जल्द ही फिल्म अटैक में नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 1 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। वह एक्शन थ्रिलर फिल्म तेहरान में भी दिखेंगे। यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज होगी। भूषण कुमार की एक फिल्म से भी जॉन बतौर निर्माता जुड़े हुए हैं। दूसरी तरफ अर्जुन फिल्म कुत्ते में नजर आएंगे। वह फिल्म द लेडी किलर में भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा एक विलेन रिटर्न्स भी उनके खाते से जुड़ी हुई है।

यूक्रेन संकट के बीच उम्मीदों का परिदृश्य

जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि इन दिनों यूक्रेन संकट के कारण दुनिया के अधिकांश देशों में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं, लेकिन भारत में यूक्रेन संकट से निर्मित आर्थिक चुनौतियों के बीच भी कृषि का परिदृश्य सुकूनदेह है। जहां देश का आम आदमी खाद्यान्न की महंगाई से दूर है, वहीं देश में कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाकर कृषि को कच्चे तेल की तरह मजबूत आर्थिक आधार बनाए जाने की संभावनाएं उभरती दिखाई दे रही हैं।

नि:संदेह कोविड-19 की चुनौतियों के बीच पिछले दो वर्षों में दुनिया में भारत की पहचान खाद्यान्न की वैश्विक आपूर्ति करने वाले मददगार देश के रूप में उभरकर सामने आई है। अब इस वर्ष 2022 में रूस और यूक्रेन युद्ध संकट जैसी अन्य स्थितियों के मद्देनजर भारत से खाद्य पदार्थों के निर्यात की संभावनाएं हैं। ऐसे में कृषि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के मद्देनजर सुकूनभरी उम्मीदों के तीन महत्वपूर्ण आधार दिखाई दे रहे हैं। एक, फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान प्रस्तुत हुआ है। दो, वर्ष 2022 में मानसून के अनुकूल रहने का पूर्वानुमान लगाया गया है। तीन, वर्ष 2022-23 के नए बजट में कृषि को आधुनिक बनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाने के नए रणनीतिक रास्ते सुझाए गए हैं।

गौरतलब है कि कृषि मंत्रालय द्वारा हाल ही में प्रस्तुत खाद्यान्न उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2021-22 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.60 करोड़ टन पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष में 31.07 करोड़ टन रहा था। इस वर्ष गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान है। गेहूं का उत्पादन पिछले वर्ष 10.95 करोड़ टन रहा था। 2021-22 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 12.79 करोड़ टन रिकॉर्ड अनुमानित है। साथ ही इस साल तिलहन उत्पादन 3.71 करोड़ टन रह सकता है, जो पिछले साल 3.59 करोड़ टन से ज्यादा है। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुताबिक, सभी प्रमुख फसलों के एमएसपी में वृद्धि, पीएम किसान योजना के मार्फत किसानों को आर्थिक मदद, कृषि क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा और विभिन्न कृषि विकास योजनाओं से कृषि क्षेत्र में उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों 2020 और 2021 में भी कोविड-19 की चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था के दूसरे सेक्टरों में भारी गिरावट के बीच कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा है जिसने लगातार वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2022 में जबरदस्त कृषि उत्पादन और अच्छा मानसून देश के आर्थिक-सामाजिक सभी क्षेत्रों के लिए लाभप्रद होगा। निस्संदेह यूक्रेन संकट के साथ-साथ खाद्य मांग बढ़ने की अन्य वैश्विक चुनौतियों के बीच खाद्य पैदावार बढ़ाने के मद्देनजर विगत एक फरवरी 2022 को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया आगामी वित्त वर्ष 2022-23 का बजट अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकता है। छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन दिया गया है। कृषि और कृषक कल्याण योजनाओं का कुल बजट इस बार 1.24 लाख करोड़ रुपये रखा गया है जो पिछले बजट की तुलना में करीब छह हजार करोड़ ज्यादा है। नए बजट के तहत किसानों को

कम समय के लिए कर्ज उपलब्ध कराने के लिए 19500 करोड़ रुपए का आवंटन सुनिश्चित किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर किसानों की चिंता को कम करने की कोशिश नए बजट में की गई है। एमएसपी पर खरीदारी का लक्ष्य 2.37 लाख करोड़ रुपए रखा गया है। सरकारी फसल खरीद की ये रकम सीधे किसानों के खाते में भेजी जाएगी। नए बजट में प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष घोषणा की गई है।

महत्वपूर्ण है कि मोटे अनाजों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष घोषित किया गया है। वित्तमंत्री सीतारमण ने आगामी बजट में कृषि के डिजिटलीकरण के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। किसानों और कृषि संबंधी सूचनाओं के बेहतर आदान-प्रदान के लिए कृषि सूचना प्रणाली और सूचना प्रौद्योगिकी तथा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना को सुदृढ़ और प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने के साथ ही भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव में ड्रोन तकनीक मदद करेंगे। खेती में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड नई योजनाएं लाएगा, जिसके जरिए नई मशीनों और उपकरण के स्टार्टअप शुरू किए जा सकेंगे। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाने के नए प्रावधान किए गए हैं। कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए 46 जिला क्लस्टरों की पहचान की गई है।

नि:संदेह इन विभिन्न अनुकूलताओं से इस वर्ष 2022 में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन देश की नई आर्थिक शक्ति बन सकता है। इससे खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन से देश की खाद्यान्न मांग की पूर्ति सरलता से होगी। देश के पास खाद्यान्न का सुरक्षित भंडार होगा और दुनिया के कई देशों को कृषि निर्यात बढ़ाए जा सकेंगे। खाद्यान्न के वैश्विक बाजार में कृषि जिंसों की कीमतें बढ़ने के मद्देनजर भारत से अधिक कृषि निर्यात किसानों की अधिक आय बढ़ाने का मौका बनते हुए दिखाई देगा। दुनिया को 25 फीसदी से अधिक गेहूं का निर्यात करने वाले रूस और यूक्रेन के युद्ध में फंस जाने के कारण भारत के करीब 2.42 करोड़ टन के विशाल गेहूं भंडार से गेहूं के अधिक निर्यात की संभावनाओं को मुट्ठियों में लिया जा सकेगा। खासतौर से भारत को मिस्र, बांग्लादेश और तुर्की जैसे देशों को बड़ी मात्रा में गेहूं निर्यात पूरा करने का मौका मिलेगा। अब भारत के द्वारा चावल, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाजों के निर्यात में भी भारी वृद्धि का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। अनुमान है कि आगामी वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात 55-60 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर पहुंच सकता है।

यद्यपि इस समय देश के कृषि परिदृश्य पर विभिन्न अनुकूलताएं हैं, लेकिन कृषि क्षेत्र को देश की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। सरकार के द्वारा कृषि उपज का अच्छा विपणन सुनिश्चित किया जाना होगा। खराब होने वाले कृषि उत्पादों जैसे फलों और सब्जियों के लिए लॉजिस्टिक्स सुदृढ़ किया जाना होगा। साथ ही वर्ष 2022 में किसान ट्रेनों के माध्यम से कृषि एवं ग्रामीण विकास को नया आयाम देना होगा। अच्छे कृषि बुनियादी ढांचे से फसल तैयार होने के बाद होने वाले नुकसान में कमी आ सकेगी। अब कृषि निर्यात की डगर पर दिखाई दे रहे कई अवरोध भी दूर किए जाने होंगे। प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाने के लिए सीड टेक्नोलॉजी के अपनाने पर आगे बढ़ना होगा। खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन के साथ-साथ तिलहन के अधिकतम उत्पादन पर फोकस करना होगा। भंडारण सुविधा बढ़ानी होगी। फर्टिलाइजर की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर सरकार द्वारा फर्टिलाइजर की पर्याप्त पूर्ति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई जानी होगी।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

सू- दोकू क्र. 70

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 69 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही लक्ष्य पूरे

अनूप भटनागर

इस बार महिला दिवस की थीम थी 'स्थाई कल के लिए लैंगिक समानता'। लेकिन भारत में समानता की भागीदारी अभी भी दिवास्वप्न लगता है। इसकी वजह, संसदीय व्यवस्था में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी के लिए 12 साल पहले राज्य सभा में पारित संविधान संशोधन विधेयक का आज तक लोकसभा में पेश नहीं किया जाना है। नि:संदेह लैंगिक समानता के मामले में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हमारे सैन्य बलों में भी अधिकारियों के पदों पर यह नजर आता है, लेकिन यह भी सिर्फ न्यायपालिका के हस्तक्षेप से संभव हो रहा है।

यह भी दिलचस्प है कि महिलाओं के हितों की रक्षा को लगातार अनेक महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं प्रतिपादित करने वाली न्यायपालिका लैंगिक समानता के मामले में पीछे है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण चाहते हैं कि न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी होनी चाहिए। इस समय न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी करीब 15 फीसदी है।

सवाल है कि जब संसद और विधान मंडलों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए 2010 में राज्यसभा से 108वां संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के बावजूद इसे लोकसभा से पारित नहीं कराया जा सका तो वहां न्यायपालिका में महिलाओं की 50 फीसदी भागीदारी कैसे सुनिश्चित हो। न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि के लिए समय-समय पर आरक्षण की मांग उठती रहती है लेकिन संविधान में इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका, विशेषकर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालयों में महिलाओं की भागीदारी एक सम्मानित स्तर तक ले जाने में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए उनके नामों का चयन और सिफारिश करने वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम अहम भूमिका निभा सकती है। महिलाओं के लिए संसद और विधान मंडलों में 33 प्रतिशत आरक्षण के सवाल पर विभिन्न दलों में मतभेद रहा है। लैंगिक समानता का सवाल उठते ही विभिन्न दलों के नेता चाहते हैं कि महिला आरक्षण के भीतर भी जाति आधारित आरक्षण की व्यवस्था हो।

प्रधान न्यायाधीश चाहते हैं कि यह स्थित बदले। लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति होना भी आवश्यक है। आज भी राजनीतिक दल चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाओं को प्रत्याशी नहीं बनाते हैं। अगर हम वास्तव में लैंगिक समानता चाहते हैं तो हमें हर तरह के भेदभाव के विचार से ऊपर उठकर महिलाओं के लिए आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक संसद से मंजूर करने की दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए। महिलाओं को तरह-तरह के शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में अनेक कानून हैं लेकिन इसके बावजूद उनके उत्पीड़न से संबंधित घटनाओं की खबरें लगातार सुर्खियों में रहती हैं। इस तरह की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए महिलाओं के प्रति समाज को अपना नजरिया बदलना होगा और इसके लिए जरूरी है कि महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त होने के बारे में ग्रामीण स्तर से लेकर शहरी स्तर तक व्यापक रूप से जागरूकता पैदा की जाये। ऐसा नहीं है कि संसद में महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व के लिए प्रयास नहीं हुए। इस दिशा में 1996 में देवगौड़ा सरकार ने पहल की थी और उसने लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया था। लेकिन यह प्रयास विफल हो गया। इसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी की राजग सरकार ने भी 1998 में लोकसभा में इस बारे में संविधान संशोधन विधेयक पारित करने का प्रयास किया। वर्ष 2002 और 2003 में भी ऐसे प्रयास हुए थे।

अंततः मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने साल 2008 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया। राज्यसभा ने मई, 2010 में इसे पारित भी किया लेकिन सरकार ने घटक दलों के रवैये की वजह से इसे लोकसभा में पेश नहीं किया।

इस संशोधन विधेयक को आज भी लोकसभा में बहस का इंतजार है।

चुनाव के बाद कांग्रेस की स्थिति का अध्ययन करने पांडे आयेगें दून

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव में हाल में हुई पार्टी की हार और पार्टी के भावी सांगठनिक ढांचे को लेकर राज्य की स्थिति का जायजा लेने जल्द ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे उत्तराखंड का दौरा करेंगे और पार्टी के नेताओं से विचार-विमर्श कर नए संगठन के गठन व भावी रणनीति पर विचार करेंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री केसी वेणुगोपाल के हवाले से यह बयान जारी करते हुए धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी फिर से नई करवट लेगी और 2024 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में और संसद के चुनाव में फिर से भारी जनमत हासिल करने का गंभीर प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा अविनाश पांडे अपने इस दौरे में जहां पार्टी के शीर्ष नेताओं से बातचीत करेंगे वही हाल के चुनाव में पार्टी के चुनाव चिन्ह पर लड़े पार्टी प्रत्याशियों से भी पार्टी की हार और जीत की परिस्थितियों का जायजा लेंगे।

शौरूम का शटर तोड एक लाख 92 हजार चुराये

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने शौरूम का शटर तोडकर वहां से एक लाख 92 हजार रूपये की नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किदूवाला राजावाला निवासी धीरज गुरूंग ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनका कुआंवाला में जीएम सर्विस ऐडमायर हॉडा का शौरूम है। गत रात्रि चोरों ने शौरूम का शटर तोडकर अन्दर रखे एक लाख 92 हजार रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकान के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माउट हाउस एफआरआई निवासी विवेक थापा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से कनाट प्लेस आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईक हिन्द लेदर वाली गली में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जौलजीबी-धारचूला तक रेल लाइन निर्माण की मांग

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा में लोस सांसद अजय टम्टा ने संसद के बजट सत्र में पहाड़ के दूरस्थ इलाकों तक रेलवे कनेक्टिविटि की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने टनकपुर से चलने वाली पूर्णागिरि जन शताब्दी के समय को भी कम करने की मांग उठाई, ताकि यात्री पांच–छह घंटे में दिल्ली पहुंच सकें। सांसद ने मंगलवार को संसद में बजट सत्र के दौरान टनकपुर से देहरादून के लिए रेल सेवा शुरू कराने, पूर्णागिरि जन शताब्दी एक्सप्रेस का समय कम करने की मांग उठाई। कहा कि जन शताब्दी एक्सप्रेस की सुस्त चाल की वजह से लोग दिल्ली के लिए बसों में सफर करने को बाध्य हो रहे हैं। उन्होंने रामनगर से बांद्रा के लिए सप्ताह में तीन दिन रेल सेवा शुरू कराने, काठगोदाम से जम्मू को चलने वाली गरीब रथ सप्ताह में दो दिन चलाने, टनकपुर, काठगोदाम और रामनगर से दक्षिण भारत को रेल सेवा शुरू कराने, रामनगर–चौखुटिया–गैरसैंण रेल परियोजना में तेजी लाने की मांग उठाई।

आधुनिक आत्मनिर्भर भारत बनाने को...

आंकड़ों में नंबर वन होना जरूरी नहीं है, विकास की सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपका कर्तव्य बोध आपके द्वारा तय किए जाने वाले लक्ष्य और उन्हें पूरा करने की लगन ही आपके नंबर बनाती है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप सभी एक भारत और श्रेष्ठ भारत निर्माण के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पूर्व आज खेल भवन का उद्घाटन भी किया।

रायपुर में मनाया गया 221वां आयुध निर्माण दिवस

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून के रायपुर क्षेत्र में आज 221वां आयुध निर्माण दिवस होली के अवकाश के चलते एक दिन पहले एक दिन पूर्व मनाया गया। जिसमें सभी अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

आज सुबह आठ बजे ओएलएफ के अधिकारी और कर्मचारी अपनी यूनियन और एशोसिएसन के बैनर तले रायपुर स्थित स्टेट बैंक के तिराहे पर एकत्र हुए। इस मौके पर सभी ने एकता का प्रतीक आयुद्ध निर्माणी दिवस का बैज धारण किया और देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने की शपथ ली। जिसके बाद आयुद्ध निर्माणियों का प्रेरणादायी गीत 'हम हैं आयुध निर्माणी के कर्णधार का समवेत स्वरों में गायन किया गया।

इस अवसर पर कर्मचारियों ने कहा कि 220 वर्षों का इतिहास यूं ही नहीं भुलाया जा सकता है, हजारों कर्मचारी एवं अधिकारी अपने पूर्व संगठन को हृदय से असीम स्नेह और आदर देते हैं। उन्होने कहा कि हम उस संगठन का हिस्सा रहे हैं जिसने सेना को अभेद्य रक्षा उपकरण दिए हैं। देश में पहली आयुध निर्माणी 18 मार्च 1802 में बंगाल के कोशीपुर नामक स्थान में शुरू हुई थी। इस मौके पर ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री की कर्मचारी यूनियन इंटक, इंपलाईज यूनियन, प्रतिरक्षा श्रमिक संघ, बहुजन कर्मचारी संघ, ग्रुप ए अधिकारियों की एशोसिएसन समेत अन्य एसोसिएशन के पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

लाइब्रेरी घोटाले में लिप्त भाजपा अध्यक्ष विधानसभा से इस्तीफा दें: धीरेंद्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने हरिद्वार लाइब्रेरी घोटाले में भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक को हाईकोर्ट द्वारा नोटिस दिए जाने को देखते हुए नैतिकता के आधार पर कौशिक से राज्य की विधानसभा से त्यागपत्र दिए जाने की मांग की है।

धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि कौशिक को इस मामले में आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए व जब तक दूध का दूध और पानी का पानी नहीं हो जाता राज्य विधान सभा की सदस्यता से त्यागपत्र देना चाहिए।

उन्होने कहा कि मदन कौशिक पर राज्य हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए आरोप गंभीर हैं, ऐसे में भाजपा जब बहुत नैतिकता का बखान करती है तो यह निश्चित तौर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व बन जाता है कि वह तत्काल इस्तीफा दें व राज्य में आदर्श प्रस्तुत करें।

सारथी फाउंडेशन ने बच्चों के साथ मनाया होली का त्योहार

संवाददाता

देहरादून। सारथी फांउडेशन ने जरूरतमंदों बच्चों के साथ होली का त्यौहार मनाया और मिठाइयां बांटी।

आज यहां सारथी फाउंडेशन की टीम ने जरूरतमंदों बच्चों को होली के त्यौहार को अच्छा मानने के लिए ग्राम फतेहपुर स्थित आंगनवाड़ी के पास रह रहे बच्चो को गुलाल के पैकेट, गुब्बारे ओर मिठाई खिलाकर कई चीजों का वितरण किया है। इस मौके पर सारथी फाउंडेशन के संस्थापक योगेश वर्मा ने कहा कि जब भी त्यौहार आता है तो सब लोग अपने घरों में मिठाई बनाते है और अन्य तैयारी शुरू कर देते है । परन्तु जरूरतमंद लोगों के पास साधनों की कमी होती है और वो त्योहारों का पूरा आनंद नहीं ले पाते। इसलिए हमारे ग्रुप ने ऐसे बच्चों को भी होली के त्योहार पर सामान देने का मन बनाया। जिससे ये लोग भी रंग बिरंगे होली के त्योहार का आनंद ले सके। बच्चे होली के गानों पर जमकर थिरकते हुए नजर आये। बच्चो की खुशियों में ही हम सबकी खुशी है । इस दौरान कार्यक्रम में संस्थापक योगेश वर्मा, शिवम गौड़, पुनीत मित्तल, शौर्य, देवेंद्र धीमान, प्रभादेवी, आदि सभी ने मिलकर बच्चो के साथ होली का त्योहार मनाया।

गुमशुदा महिला को किया हिमाचल प्रदेश से बरामद

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। पिछले दिनों गुमशुदा हुई एक महिला को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद हिमाचल प्रदेश से बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों रतन सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी कपकोट द्वारा कोतवाली बागेश्वर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी पत्नी रेखा देवी घर से बिना बताये कहीं चली गयी है तथा बहुत ढूंढने पर भी नही मिल पा रही है।

मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर गुमशुदा महिला की तलाश शुरू कर दी गयी। गुमशुदा महिला की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा उसे टैक्नीकल टीम द्वारा दी गयी लीड के आधार पर बीते रोज उसे हिमाचल प्रदेश से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

एक नजर

इजरायल में मिला कोविड-19 का नया वेरिएंट!

नई दिल्ली । कोरोना महामारी से दुनियाभर में अभी भी जंग जारी है। इस बीच एक और नए वेरिएंट के सामने आने से चिंता बढ़ गई है। इजरायल में कोविड–१६ के नए वेरिएंट का पता चला है। यहां कोरोना वायरस के नए वेरिएंट के दो मामले सामने आए हैं। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से ये जानकारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि

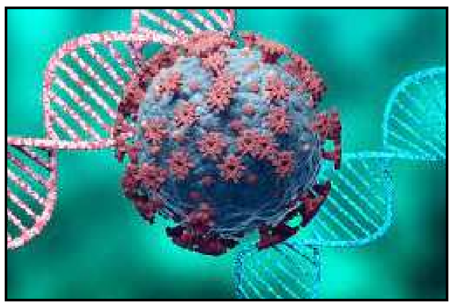

ये वेरिएंट अभी भी दुनिया भर में अज्ञात है। मिली जानकारी के अनुसार नये वेरिएंट को अभी तक कोई नाम नहीं दिया गया है। बीए.१+ बीए.२ ये दो नये स्ट्रेन हैं जोकि ओमिक्रोन के दो उप–प्रकारों को जोड़ता है जिन्हें बीए.१ और बीए.२ के रूप में जाना जाता है। इस नये संक्रमण से संक्रमित पाये गये दो मरीज इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर आने वाले यात्री थे। हालांकि इस नए वेरिएंट को अभी तक कोई नाम नहीं दिया गया है। इजराइली स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार इस वेरिएंट के भी लक्षणों में बुखार, सिरदर्द और मांसपेशी का ऐंठना/टूटना आदि लक्षण पाये

बीजेपी फ़िल्म के नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही है: संजय राउत

नई दिल्ली। फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर लगातार सियासी घमासान जारी है। एक तरफ बीजेपी शासित प्रदेश फिल्म को प्रमोट करने के लिए इसे टैक्स फ्री कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल इसे एक प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार पर भी बीजेपी लगातार फिल्म को टैक्स फ्री करने का दबाव बना रही है। अब शिवसेना की तरफ से फिल्म को लेकर बयान दिया गया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा है कि, जिन्हें फिल्म देखनी होगी वो आकर देखेंगे। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि, हमने

ठाकरे फिल्म बनाई थी, जब हमने उसे टैक्स फ्री नहीं किया तो द कश्मीर फाइल्स को कैसे कर सकते हैं। जिनको देखना होगा वो आकर देखेंगे। द कश्मीर फाइल्स क्यों, किसलिए और किस एजेंडे के लिए बनाई गई है, हमें पता है। बीजेपी फ़िल्म के नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही है। शिवसेना कश्मीरी पंडितों को समझती है और कश्मीरी पंडित शिवसेना को। संजय राउत ने कहा कि, पीएम मोदी ने २०१४ में कश्मीरी पंडितों की घर वापसी और पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लाने का वादा किया था, उन्होंने क्या उसे आज तक पूरा किया? हम भी इंतजार कर रहे हैं कि आखिर ये कब होगा।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी को ईडी का समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी को ताजा समन जारी किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि पश्चिम बंगाल की

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजिरा बनर्जी को यहां अगले सप्ताह जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने को कहा गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने निदेशालय के समक्ष पेश होने के लिए उन्हें जारी समन को चुनौती देने वाली यचिका ११ मार्च को खारिज कर दी थी। इससे पहले दम्पत्ति को पिछले साल १० सितंबर को समन जारी किए गए थे और उन्होंने अदालत से ईडी को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि उन्हें दिल्ली में पेश होने के लिए समन जारी नहीं किए जाने चाहिए, क्योंकि वे पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। इस मामले में पिछले साल सितंबर में राष्ट्रीय राजधानी में एजेंसी के एक कार्यालय में बनर्जी से पूछताछ की गई थी। ईडी ने सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) द्वारा दर्ज नवंबर २०२० की उस प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन रोकथाम कानून, २००२ के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

कांग्रेस में बड़े बदलाव की तैयारी

●भितरघात बना हार का कारण: गोदियाल ●हार के लिए कोई एक व्यक्ति जिम्मेवार नहीं: नवप्रभात

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। पांच राज्यों में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस हाईकमान के तेवर सख्त नजर आ रहे हैं तथा सभी राज्यों के सांगठनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। हाईकमान ने सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों से लिए गए इस्तीफों के बाद पूरे सांगठनिक ढांचे को बदलने का काम शुरू हो चुका है, वही इस बड़ी हार का कारण तलाशने पर भी गौर किया जा रहा है। सभी राज्यों के लिए समीक्षक तय किए जा चुके हैं जो होली के बाद इन राज्यों में जाएंगे और हार के कारणों पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर हाईकमान को देंगे वहीं नए सांगठनिक ढांचे का खाका भी तैयार करेंगे।

उत्तराखंड के लिए अविनाश पांडे को समीक्षक के तौर पर दून भेजा जा रहा है। जो कुछ समय यहां रहकर पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी राय लेंगे और सच्चाई जानने की कोशिश करेंगे। इस हार के बाद जिस तरह से सूबे के कांग्रेसी नेता एक दूसरे पर आरोपों की बरसात कर रहे हैं उससे पार्टी की भारी किरकिरी हो रही है। लाख नसीहतों के बाद भी यह नेता एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

इस बीच प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके गणेश गोदियाल ने एक बार फिर बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि कहीं न कहीं भितरघात तो हुई जिसके कारण पार्टी की हार हुई है। उल्लेखनीय है कि पद पर रहते हुए उन्होंने पहले ऐसी कोई बात नहीं कही थी। बीते कल विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल द्वारा नेता विपक्ष प्रीतम सिंह पर निशाना साधते हुए कहा गया था कि प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव कांग्रेस की गुटबाजी को नहीं रोक सके। एक गुट के लोगों ने लगातार संगठन तथा हरीश रावत के खिलाफ काम किया तथा प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के दिशा निर्देशों के खिलाफ काम किया और उन्हें सहयोग नहीं किया उनके बाद अब गणेश गोदियाल भी उन्हीं की भाषा बोलते दिख रहे हैं। उनका भी कहना है कि कहीं न कहीं भितरघात तो हुआ है जिसके कारण हमारे प्रत्याशी हारे। उ

धर कांग्रेस नेता नवप्रभात भी अब इस बयानबाजी के अखाड़े में कूद गए हैं उनका कहना है कि हार के लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा गया था सभी फैसले भी सामूहिक रूप से लिए गए फिर किसी एक व्यक्ति को कैसे जिम्मेवार कहा जा सकता है। उनका तो यहां तक कहना है कि जो अब टिकट बेचने का आरोप लगा रहे हैं वह अब तक क्यों चुप थे उन्हें जब पता चला था कि कहीं कुछ गलत हो रहा है तो उन्हें तभी बताना चाहिए था।

होली पर पुलिस की 47 टीमें सड़क पर होंगी

संवाददाता

देहरादून। होली पर्व पर हुडदंगियों से निपटने के लिए पुलिस की 47 टीमें सडक पर होगी जोकि शराब पीकर वाहन चलाने वालों व हुडदंग मचाने वालों के खिलाफ कार्यवाही करेगी।

आज यहां एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार होली के पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से कुशल रणनीति के तहत जनहानि को रोकनें के प्रयोजन हेतु यातायात पुलिस देहरादून द्वारा जनपद के समस्त थाना तथा यातायात / सीपीयू द्वारा शराब पीकर हुडदंग तथा ओवर स्पीड में वाहन संचालन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु विशेष टीमें गठित की जा रही है, जिसमें प्रत्येक थानें की 02-02 टीम तथा सीपीयू से 05 टीम कुल 47 टीमों को ड्रिक एण्ड ड्राइव के प्रकरणों में कार्यवाही हेतु फील्ड में उतारा जा रहा है। उक्त त्यौहार के दृष्टिगत संभावित यातायात दबाव को सुगम बनाएं रखने हेतु रणनीति के अनुसार प्रमुख पिकेट प्वाईंटो पर उक्त टीम द्वारा कार्यवाही की जायेगी । अत: देहरादून की सम्भ्रांत जनता से अनुरोध एवं अपील है कि होली के इस पर्व को शांति एवं सौहार्द से मनाएं किसी को आपके द्वारा परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाये।

कुत्तों के टीकाकरण का झांसा देकर पशु चिकित्सक से ठगे दो लाख 92 हजार

संवाददाता

देहरादून। आर्मी अधिकारी बन पशु चिकित्सक को 25 कुत्तो का टीकाकरण कराने के नाम पर एप लोड करा दो ल ाख 92 हजार रूपये खाते से निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कालोनी निवासी पशु चिकित्सक दिनेश कुमार ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 6 मार्च 22 को सुबह लगभग साढे दस बजे मुझे सेना के 25 कुत्तों के टीकाकरण के संबंध में एक अज्ञात नंबर 9609015475 से फोन आया, एनसीसी निदेशालय संतला देवी रोड घंगोरा देहरादून का अधिकारी बताया। यह कॉल मेरे मोबाइल पर आई थी। चूंकि मैं एक पशु चिकित्सक हूं, इसलिए मैंने ऐसा करने के लिए सहमति व्यक्त की, फिर उन्होंने कहा कि वह टीकाकरण की लागत का अग्रिम भुगतान करेंगे जो कि 27 हजार 250 रूपये वह मुझे वीडियो कॉल पर ले गया और मुझे पेटीएम ऐप खोलने के लिए कहा। मैंने सोचा था कि वह मुझे इस प्रक्रिया के माध्यम से भुगतान करेगा क्योंकि मैं उसके निर्देशों का पालन करने की प्रक्रिया से अनजान था। उन्होंने मुझे भुगतान प्राप्त करने के लिए अपने यूपीआई पिन का उपयोग करने का निर्देश दिया। उसने मुझे इस क्रिया को कई बार दोहराने के लिए कहा और इस प्रकार मेरा खाता उसके द्वारा प्रदान किए गए क्रेडिट कार्ड नंबर से डेबिट हो गया। मेरे खाते से डेबिट की गई। इस प्रकार में खाते से दो लाख 92 हजार रुपये धोखाधड़ी से निकाले गए हैं। अज्ञात फोन करने वाले ने खुद को सेना का व्यक्ति बताते हुए मेरे खिलाफ धोखाधड़ी की है। साइबर थाने के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सूचना

साांध्य दैनिक दून वैली मेल के सभी सुधी पाठकों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

कल 18 मार्च 2022 को होली पर्व के उपलक्ष्य में दून वैली मेल कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः पाठकों को अगला अंक 19 मार्च 2022 को उपलब्ध होगा।

– व्यवस्थापक

सार्वजनिक सूचना

मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र व स्कूल रिकार्डस् (ब्राइटलैण्डस् स्कूल) में अर्थव (ATHARV) अंकित है तथा माता का नाम एकता शाह है। मैं अपने पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र व स्कूल रिकार्डस् में अर्थव आर्य (ATHARV ARYA) करवाना चाहता हूं। मेरी कोई धोखाधड़ी की मंशा नहीं है। कृपया मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र व स्कूल रिकार्डस् में अर्थव आर्य (ATHARV ARYA) अंकित किया जाये।

ऋषभ
पुत्र भानू प्रकाश
निवासी–आर्यनगर
पोस्ट–भानियावाला डोईवाला
देहरादून (उत्तराखण्ड)

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।